'किस्से कुछ खास', के साथ एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस की कॉफी टेबल बुक का केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने किया लोकार्पण

बासमती चावल की कालातीत गाथाओं का वर्णन करती है 'किस्से कुछ खास'

दिल्ली। श्रीजी एक्सप्रेस

इंडिया की अग्रणी फूड कंपनियों में से एक, एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड (पूर्व में अदानी विल्मर लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध) ने अपनी कॉफी टेबल बुक 'किस्से कुछ खास' का सफलतापूर्वक लोकार्पण किया। इस पुस्तक की रचना पद्मश्री सम्मानित और विख्यात खाद्य इतिहासकार प्रो. पुष्पेश पंत द्वारा की गई है। यह आयोजन दिल्ली और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के मार्गदर्शन में किया गया।

इस पुस्तक का अनावरण केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, चिराग पासवान एवं एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंगशु मलिक द्वारा, सेलिब्रिटी शेफ कुणाल कपूर की गरिमामयी उपस्थिति में, वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के दौरान, भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया।

कोहिनूर, एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड का प्रमुख चावल ब्रांड, लंबे समय से प्रीमियम गुणवत्ता वाले बासमती चावल का पर्याय रहा है। 'किस्से कुछ खास' के माध्यम से, ब्रांड भारत के इतिहास, अनुभवों और सांस्कृतिक धरोहर को आकार देने में चावल और विशेष रूप से बासमती चावल की अमिट विरासत को श्रद्धांजलि देता है। यह पुस्तक न केवल विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में चावल के विकास का वर्णन करती है, बल्कि यह भी बताती है कि बासमती कैसे भारत के त्योहारों, परंपराओं और रीति-रिवाजों के समारोहों में गहराई से बुन गया है।

पुस्तक में और अधिक समृद्धि जोड़ते हुए, 15 चुनी हुई रेसिपी शामिल हैं जो बासमती चावल की बहुमुखी प्रतिभा को उसके विभिन्न रूपों में प्रदर्शित करती हैं, जो पाठकों को एक गहन पाक यात्रा प्रदान करती हैं।

गर्व को भारत की पाक विरासत को इतनी सार्थक श्रद्धांजलि देने के लिए बधाई देता हूं। श्री अंगशु मलिक, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड, ने आगे कहा- 'कोहिनूर हमेशा प्रामाणिकता, परंपरा और स्वाद के लिए खड़ा रहा है।

'किस्से कुछ खास' के माध्यम से, हम बासमती चावल की कालातीत यात्रा का जश्न मनाना चाहते थे-एक ऐसा अनाज जो सिर्फ भोजन से कहीं अधिक है। यह विरासत, पुरानी यादें और एक साझा सांस्कृतिक बंधन है। हमें वर्ल्ड फूड इंडिया में इस पुस्तक को लॉन्च करने पर गर्व है, यह एक ऐसा मंच है जो दुनिया के सामने भारत की समृद्ध खाद्य विरासत को प्रदर्शित करता है।-

प्रोफेसर पुष्पेश पंत, 'किस्से कुछ खास' के लेखक, ने कहा- बासमती चावल शायद भारत की पाक परंपरा का सबसे मुखर उदाहरण है। इसने विभिन्न क्षेत्रों के प्रभावों को आत्मसात किया है और फिर भी अपनी विशिष्ट सुगंध और सुंदरता को बनाए रखा है। यह पुस्तक बासमती की आकर्षक यात्रा-शाही रसोई से लेकर सामान्य घरों तक-का वर्णन करने और इसकी कहानियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने का मेरा विनम्र प्रयास है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में 'किस्से कुछ खास' का लॉन्च कोहिनूर की भारत की पाक विरासत का जश्न मनाने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कहानियों, इतिहास, अनुभवों और प्रामाणिक व्यंजनों के संयोजन से, यह पुस्तक एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड के भारतीय व्यंजनों की कालातीत परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देने के मिशन को मजबूत करती है।

इस पहल के साथ, कोहिनूर ने न केवल प्रीमियम बासमती चावल में एक विश्वसनीय नाम के रूप में अपनी विरासत का सम्मान किया, बल्कि खाद्य प्रेमियों, इतिहासकारों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों को भारत के सबसे प्रिय अनाजों में से एक के पीछे की कहानियों और स्वादों को फिर से खोजने के लिए भी आमंत्रित किया।